देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 150 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार–प्रवाह...
बचकानी सोच

पेज थ्री

देहरादून, मंगलवार, 17 सितंबर 2024

मौसम अधिकतम 30.0° न्यूनतम 24.0°

79924.77

2 तालिबानी नेतृत्व में हो रहा दो फाड़
7 हमारे प्लेयर्स खेलते कम, बोलते ज्यादा है

धामी सरकार ने बिजली बिल में दी भारी छूट

प्रदेशवासियों को अपने जन्म दिवस के अवसर पर सीएम धामी ने दी अनेक सौगात

संवाददाता

देहरादून। राज्य में प्रतिमाह 100 यूनिट तक विद्युत खर्च करने वाले उपभोक्ताओं को 50 प्रतिशत सब्सिडी देगी धामी सरकार। उच्च हिमालयी क्षेत्रों के लिए यह मानक 200 यूनिट तक रहेगा। यह सुविधा 01 किलोवाट तक विद्युत भार वाले उपभोक्ताओं को मिलेगी। इस योजना का लाभ लगभग 11 लाख 50 हजार उपभोक्ताओं को मिलेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को अपने जन्म दिवस के अवसर पर मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेशवासियों को अनेक सौगात दी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पिटकुल की एडीबी वित्त पोषत 05 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इन 05 परियोजनाओं में 220 केवी जीआईएस सब स्टेशन सेलाकुई एवं संबंधित लाईन के निर्माण कार्य, 132 के.वी जीआइएस सब स्टेशन आराघर एवं संबंधित लाईन के निर्माण कार्य, 132 के.वी जी.आई.एस सब स्टेशन लोहाघाट एवं संबंधित लाईन के निर्माण कार्य, 132 के.वी जी.आई.एस सब स्टेशन धौलाखेड़ा एवं संबंधित लाईन के निर्माण कार्य तथा 132 के.वी जी.आई.एस सब स्टेशन खटीमा द्वितीय और संबंधित लाईन के निर्माण कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर यूपीसीएल की परियोजनाओं गढ़वाल और कुमांऊ क्षेत्र में केन्द्र पोषित आर.डी.एस.एस योजना के अन्तर्गत 16 लाख स्मार्ट मीटरों के स्थापना के कार्य एवं एडीबी द्वारा बाह्य सहायतित उत्तराखण्ड क्लाइमेट रेजिलिएन्ट पावर स्टिम डवलपमेंट प्रोजक्ट के अन्तर्गत देहरादून शहर के प्रमुख मार्गों की विद्युत लाईनों को भूमिगत किये जाने वाले कार्यों का शुभारंभ किया। इसमें लगभग 977 करोड़ की धनराशि खर्च होगी।

राज्य सरकार हर क्षेत्र में तेजी से कार्य कर रहीः सीएम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड के सतत विकास के लिए राज्य सरकार हर क्षेत्र में तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज विद्युत की जिन परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है, इनसे राज्य में विद्युत की आपूर्ति और वितरण व्यवस्था में और सुधार होगा। इससे राज्य में उद्योगों को बढ़ावा मिलने के साथ ही रोजगार में भी वृद्धि होगी। इससे राज्य की आर्थिकी को और मजबूत आधार मिलेगा। स्मार्ट मीटरों से ऊर्जा आपूर्ति प्रणाली सुदृढ़ होगी और आम जनता की बिलिंग सबंधी समस्याएं भी दूर होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अन्तर्गत निर्मित लक्ष्मी आवास योजना शिकारपुर, रूड़की, हरिद्वार के भवनों के 101 लाभार्थियों को कब्जा पत्र और चाबी सौंपी।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, श्रीमती रेखा आर्य, राज्यसभा सांसद और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, राज्यसभा सांसद डॉ. कल्पना सेनी, मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव ऊर्जा डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम, और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

■*राज्य में प्रतिमाह 100 यूनिट तक विद्युत खर्च करने वाले उपभोक्ताओं को 50 प्रतिशत सब्सिडी देगी धामी सरकार।*
■*उच्च हिमालयी क्षेत्रों के लिए यह मानक 200 यूनिट तक रहेगा।*

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नई कार्य संस्कृति बनाईः कैबिनेट मंत्री

कैबिनेट मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को कई सौगात दी है। उन्होंने कहा कि कार्यभार संभालने के बाद से मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नई कार्य संस्कृति बनाई है। मुख्यमंत्री के कार्यकाल में अनेक बड़े कार्य हो रहे हैं। 977 करोड़ के लागत से देहरादून में विद्युत लाईन को भूमिगत करना एक महत्वपूर्ण कार्य है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर दी शुभकामनाएं

संवाददाता देहरारदून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। विश्वकर्मा जयंती की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा नवनिर्माण एवं सृजन के देवता हैं। विश्वकर्मा जयंती का यह पर्व प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले उद्यमियों, शिल्पियों व श्रमवीरों को सम्मानित करने का भी अवसर है।

केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, सुदर्शन भी जरूरी

संवाददाता नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अनंत चतुर्दशी के मौके पर त्रिपुरा में सिद्धेश्वरी मंदिर का उद्घाटन किया। सीएम योगी ने आगे कहा, भगवान कृष्ण की स्मृति आती है, तो उनके एक हाथ में मुरली और दूसरे हाथ में सुदर्शन होता है। केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, बल्कि सुरक्षा के लिए सुदर्शन भी आवश्यक है।

मेरा खूब मजाक उड़ाया गया, लेकिन मैं चुप रहाः पीएम

वैश्विक अक्षय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन को पीएम मोदी ने किया संबोधित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों का हिसाब–किताब जनता के सामने रखते हुए कहा कि इस दौरान उनका खूब मजाक उड़ाया गया, अपमानित किया गया। पीएम मोदी ने कहा कि वह अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगातार काम कर रहे थे और इस वजह से चुपचाप सब सहते रहे। वह अहमदाबाद में विभिन्न विकास योजनाओं के शुभारंभ और लोकार्पण के लिए आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

गुजरात के गांधीनगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को चौथे वैश्विक अक्षय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन और एक्सपो (री–इन्वेस्ट) में अहमदाबाद में 8,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या को सोलर शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है। भगवान राम सूर्यवंशी थे। अब अयोध्या के हर घर, दफ्तर और सेवाओं का संचालन सोलर से होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सूर्यवंशी भगवान राम की पूरी अयोध्या नगरी को मॉडल सौर शहर के रूप में विकसित किया जाएगा। काम लगभग पूरा हो चुका है। हमारा प्रयास है कि अयोध्या का हर घर, हर कार्यालय और हर सेवा सौर ऊर्जा से संचालित हो। अयोध्या में बड़ी संख्या में घरों और सेवाओं को सौर ऊर्जा से जोड़ा जा चुका है। इसके अलावा अयोध्या में सोलर बोर्ड, सोलर स्ट्रीट लाइट, सोलर चौराहे, सोलर वाटर एटीएम और सोलर इमारतों को देखा जा सकता है। हमने भारत में ऐसे 17 शहरों की पहचान की है। जिन्हें सोलर एनर्जी शहर के रूप में विकसित किया जाएगा।

भारत ग्लोबल लीडर बनने के प्रयास में

पीएम मोदी ने कहा कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की खातिर कृषि क्षेत्र में सोलर का प्रयोग किया जा रहा है। किसानों को सिंचाई के लिए सोलर पंप और छोटे सोलर प्लांट लगाने में मदद दी जा रही है। ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में भारत ग्लोबल लीडर बनने का प्रयास कर रहा है।

ये मोदी सरकार है, किसी की हिम्मत नहीं कि...

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जम्मू–कश्मीर। जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ में सोमवार को सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, 1990 की तरह आज भी प्रयास हो रहे है, यहां आतंकवाद को फिर से मजबूत करने के। नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस ने यहां कुछ वादे किए हैं कि उनकी सरकार आएगी तो आतंकवादियों को छोड़ देंगे। मैं आज आप लोगों को कहता हूं कि ये नरेंद्र मोदी सरकार है, किसी की हिम्मत नहीं है, भारत की भूमि पर आतंकवाद फैलाए। उन्होंने कहा कि हमने विभाजन के दिन देखे। 1990 में आतंकवाद के दिन देखे। चंद्रिका शर्मा हों या परिहार बंधु हों... सभी ने कुर्बानियां दीं। मैं आज इस क्षेत्र सहित जम्मू–कश्मीर की जनता से वादा करता हूं कि हम आतंकवाद को इतना नीचे दफन करेंगे कि कभी बाहर नहीं आ पाएगा।

भाजपा नेता ने कहा कि जिस गठबंधन ने नेहरू–गांधी व अब्दुल्ला परिवार ने यहां आतंकवाद फैलाया, वो फिर से आपका आशीर्वाद लेना चाहते हैं। शाह ने कहा, नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस का गठबंधन हमेशा से आतंकवाद का पोषक रहा है। जब–जब घाटी में नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस की सरकार आई, तब–तब यहां आतंकवाद को बढ़ावा मिला है।

ऐलान

■जम्मू–कश्मीर की चुनावी रैली में गरजे अमित शाह

अनुच्छेद 370 अब इतिहास का हिस्सा बन गया

गृहमंत्री ने कहा, एनसी और कांग्रेस का कहना है कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे अनुच्छेद 370 को फिर से लागू करेंगे। क्या अनुच्छेद 370 वापस होना चाहिए? पहाड़ी और गुर्जर भाइयों को जो आरक्षण मिलता है, अनुच्छेद 370 बहाल होने पर वह नहीं मिल पाएगा। अनुच्छेद 370 अब इतिहास का हिस्सा बन चुका है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

फाइनल में पहुंची भारतीय हॉकी टीम

■फाइनल में चीन से होगा मुकाबला
सेमीफाइनल में कोरिया को दी मात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2024 के सेमीफाइनल में सोमवार को भारतीय हॉकी टीम ने कोरिया को 4–1 से मात दी। इसके साथ ही भारतीय टीम फाइनल में पहुंच गई है। फाइनल में भारतीय टीम की टक्कर चीन से होगी। पहले सेमीफाइनल में चीन ने पाकिस्तान को पेनल्टी शूटआउट में मात दी।

टूर्नामेंट में इंडियन हॉकी टीम का सफर अब तक शानदार रहा है। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम ने अब तक एक भी मैच में हार का मुंह नहीं देखा है। ऐसे में अब टीम को कोशिश फाइनल में इसी प्रदर्शन को बरकरार रखने पर होगी। भारतीय हॉकी टीम ने लीग स्टेज में सभी 5 मैच जीते थे।

भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर से ही मैच में पकड़ मजबूत कर ली। अरायजीत सिंह सिंह के पास पर उत्तम सिंह ने 13वें मिनट में गोल किया और भारत को मैच में बढ़त दिलाई। पहले क्वार्टर में भारतीय टीम 1–0 से आगे थी। 33वें मिनट में कोरिया में शानदार वापसी की। भारत ने मुकाबला 4–1 से अपने नाम किया।

न्यूज डायरी

मुइज्जू के मंत्री ने मानी भारत के साथ की गई गलती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) माले। मालदीव की सत्ता संभालने के बाद से भारत के खिलाफ अकड़ दिखाने वाले चीन परस्त मोहम्मद मुइज्जू को अब अक्ल आ गई है। मालदीव की मुइज्जू सरकार के सुर बदले दिखाई दे रहे हैं। मालदीव को समझ आ गया है कि भारत से रिश्ते बनाए बिना उसका काम नहीं चलने वाला है। मुइज्जू प्रशासन ने पहली बार माना है कि उसने शुरुआती दौर में भारत से संबंध खराब कर लिए थे। मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने स्वीकार किया है कि राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के नेतृत्व वाली सरकार के शुरुआती दिनों में भारत–मालदीव संबंध कठिन दौर से गुजरे। इसके साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों ने 'गलतफहमियां' दूर कर ली हैं। जमीर ने श्रीलंका की यात्रा के दौरान यह टिप्पणी की। मालदीव के विदेश मंत्री ने चीन और भारत समेत दूसरे प्रमुख सहयोगियों के साथ अच्छे रिश्ते कायम करने के महत्व पर जोर दिया। जमीर ने कहा कि भारत के साथ संबंधों में चुनौतियों का सामना करना पड़ा, खास तौर पर मालदीव से भारतीय सैनिकों की एक छोटी टुकड़ी हटाने के राष्ट्रपति मुइज्जू के अभियान के बाद से। उन्होंने कहा कि मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी के बाद दोनों देशों के बीच 'गलतफहमियां' दूर हो गई हैं।

बदहाल बांग्लादेश के लिए अमेरिका ने खोला खजाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। बांग्लादेश को विकास संबंधी परियोजनाओं, युवाओं को सशक्त बनाने, लोकतंत्र को मजबूत करने, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने और देश में लोगों के लिए व्यापार एवं आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका करीब 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता मुहैया करेगा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आर्थिक संबंध प्रभाग के अतिरिक्त सचिव एकेएम शहाबुद्दीन और यूएसएआईडी (यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट) के मिशन निदेशक रीड जे. एस्क्लिमन ने अपने–अपने देश की सरकारों की ओर से ढाका में द डेवलपमेंट ऑब्जेक्टिव ग्रांट एग्रीमेंट (डीओएजी) के छठे संशोधन पर हस्ताक्षर किए। सरकारी स्वामित्व वाली बीएसएस समाचार एजेंसी ने बताया कि समझौते के तहत, यूएसएआईडी सुशासन, सामाजिक, मानवीय और आर्थिक क्षेत्रों में अवसरों को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश को 20.22 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुदान प्रदान करेगा। यूएसएआईडी–बांग्लादेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यूएसएआईडी ने विकास संबंधी कार्यों, युवाओं को सशक्त बनाने, लोकतंत्र और शासन को मजबूत करने, स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार और पूरे देश में लोगों के लिए व्यापार एवं आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश सरकार के साथ 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक के समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इजरायल, यूएई, बहरीन के बीच हुआ था अब्राहम समझौता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेल अवीव। चार साल पहले 15 सितम्बर 2020 को जब बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए खड़े थे, तो इसे मध्य पूर्व में एक नए युग की शुरुआत के तौर पर देखा गया था। ट्रंप ने कहा था, हम आज दोपहर यहां इतिहास की दिशा बदलने के लिए यहां आए हैं। दशकों के विभाजन और संघर्ष के बाद हम एक नए मध्य पूर्व की सुबह का प्रतीक हैं। इजरायली प्रधानमंत्री ने इस समझौते से अरब–इजरायल के संघर्ष के खात्मे की उम्मीद जताई तो ऐसा ही प्रतिध्वनि बहरीन और यूएई के बयानों में सुनाई दी। आगे चलकर इस समझौते में एक और मुस्लिम देश मोरक्को भी शामिल हुआ। आज जब इस समझौते के चार साल पूरे हो चुके हैं, इजरायल गाजा में हमास के साथ युद्ध लड़ रहा है। ईरान और उसके प्रॉक्सी लगातार इजरायल के खिलाफ हमलावर हैं। लेकिन इसके साथ ही मध्य पूर्व में एक नया समीकरण भी नजर आ रहा है। गाजा में 11 महीने से जारी युद्ध ने अरब देशों के साथ इजरायल के साथ समझौते पर काफी दबाव डाला है, इसके बावजूद ये रिश्ते अभी तक बने हुए हैं।

कंधार बनाम काबुल, तालिबानी नेतृत्व में हो रहा दो फाड़

अफगानिस्तान पर कब्जे के लिए छिड़ी है जंग?

रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अशरफ गनी की सरकार को हटाने के बाद साल 2021 में तालिबानी अफगानिस्तान की सत्ता में आए थे। तालिबान का दावा था कि वह देश में स्थिरता को लाएंगे और आतंकवाद को खत्म करेंगे। करीब 3 साल बाद अब तालिबान के अंदर आंतरिक कलह तेज होती जा रही है। गत 21 अगस्त को अफगानिस्तान में एक बेहद सख्त नैतिकता कानून को मंजूरी दी गई। इसके तहत मीडिया, म्यूजिक, सार्वजनिक जगहों और ट्रांसपोर्टेशन को लेकर कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। महिलाओं के सार्वजनिक रूप से तेज आवाज में गाना गाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

विश्लेषकों का कहना है कि यह तालिबान की ओर से आया यह फरमान पुराने तालिबानी नेताओं के सत्ता पर पकड़ मजबूत करने की कोशिश है। इस कानून के बाद अफगानिस्तान में कड़ा विरोध किया गया और हालत यह हो गई कि तालिबान के सुप्रीम लीडर मुल्ला हैबतुल्ला को सभी से मतभेद को भुलाकर एकजुट रहने की अपील करनी पड़ी। विश्लेषकों का कहना है कि तालिबानी सरकार का यह आदेश दिखाता है कि तालिबानी नेतृत्व के बीच में तनाव बढ़ रहा है।

अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद कुछ तालिबानी नेताओं ने दुनिया को यह दिखाने की कोशिश की थी कि वे पुराने कट्टर तालिबानी नेताओं की तुलना में उदार रुख रखते हैं। इन नए तालिबानी नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के साथ हां में हां मिलाया और स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय सपोर्ट हासिल करने के लिए उसकी इच्छा है कि कट्टरपंथी नीतियों में बदलाव किया जाए। साथ ही नई तालिबान सरकार को वैधानिकता दिलवाई जाए। हालांकि जब अंतरिम कैबिनेट का गठन हुआ तो उससे साफ हो गया कि कट्टर सोच रखने वाले पुराने तालिबानी हार मानने को तैयार नहीं हैं। हालत यह हो गई कि इस अंतरिम सरकार में सभी जातीय गुटों को जगह नहीं दी गई। यही नहीं पुराने कट्टर तालिबानियों को प्रमुख मंत्रालय दिए गए। इसमें मुल्ला मोहम्मद हसन अखुंद शामिल है जिसे पीएम बनाया गया है।

तालिबान के सह संस्थापक मुल्ला अब्दुल गनी बरादर को डेप्युटी पीएम और तालिबान के संस्थापक मुल्ला उमर के बेटे मुल्ला याकूब को रक्षा मंत्री बनाया गया। अफगानिस्तान की नई सरकार जब आई तब उसके सामने देश को बर्बाद होने से बचाना था। तालिबान चीफ अखुंदजादा ने अपना ठिकाना राजधानी काबुल की बजाय कंधार को बना लिया जो सत्ता का एक और केंद्र बन गया। उसने खुद को तालिबानी सरकार के राजनीतिक, सैन्य और धार्मिक मामलों का प्रमुख बना लिया। पिछले दो साल से अखुंदजादा ने साफ कर दिया है कि वह अपने कट्टर रुख को नहीं बदलने जा रहा है।

राहुल गांधी के बयान से खालिस्तान को मिलेगा समर्थन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज

वॉशिंगटन। भारत के विपक्षी नेता राहुल गांधी हाल ही में अमेरिका गए थे। जहां उन्होंने सिखों की आस्था की आजादी से जुड़ा बयान दिया था। उनके इस बयान के एक हिस्से को अब खालिस्तान समर्थकों ने उठा लिया है। आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा, वॉशिंगटन डीसी में भारतीय विपक्षी नेता राहुल गांधी का तथ्यात्मक रूप से सच्चा बयान, जिसमें उन्होंने माना कि भारत में सिखों के अस्तित्व को खतरे का सामना करना पड़ रहा है। यह खालिस्तान जनमत संग्रह अभियान के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा और पंजाब की स्वतंत्रता के लिए समर्थन बढ़ाएगा। हालांकि राहुल गांधी ने अपने बयान में कहीं भी ऐसा नहीं कहा कि वह खालिस्तान का समर्थन करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पन्नू ने कहा, बीजेपी, आरएसएस के सदस्य तथ्यों को स्वीकार करने के लिए राहुल गांधी की निंदा कर रहे हैं। वह सिखों, पंजाब और खालिस्तान के दुश्मन हैं।

राहुल गांधी ने कांग्रेस के सदस्यों को मोदी के भारत में सिखों पर हो रहे उत्पीड़न के बारे में जानकारी दी है। राहुल गांधी ने अपनी स्पीच में कहा था, श्लड़ाई इस बात को लेकर है कि क्या भारत में एक सिख को अपनी पगड़ी या कड़ा पहनने की अनुमति दी जाएगी। या वह एक सिख के रूप में, गुरुद्वारा जाने में सक्षम होगा। यहीं लड़ाई है और यह सभी धर्मों के लिए है।

अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर फिर हुआ हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर एक बार फिर हमला हुआ है। ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार हैं। फिलहाल इस हमले में वह सुरक्षित हैं। वह फ्लोरिडा गोल्फ कोर्स में खेल रहे थे, तभी गोलियों की आवाज आने लगी। फायरिंग ऐसे समय में हुई है, जब लगभग दो महीने पहले ही उन पर एक रैली में हमला किया गया था। ट्रंप के चुनाव प्रचार टीम ने कहा कि वह पूरी तरह सुरक्षित हैं। गोलियों की आवाज आते ही इलाके को तुरंत सील कर दिया गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने कहा कि वह इस घटना की जांच कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि इस घटना की जानकारी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को दी गई है। व्हाइट हाउस ने बयान में कहा, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति को ट्रंप के इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स में सुरक्षा को लेकर जानकारी दी गई।

आर्मेनिया का सबसे बड़ा हथियार सप्लायर बना भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

येरेवान। तुर्की, पाकिस्तान और इजरायल के हथियारों से लैस अजरबैजान की सेना के भीषण हमले के खतरे का सामना कर रहा आर्मेनिया अब भारत से जमकर हथियार खरीद रहा है। यह हथियार समझौता अब करीब 2 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। आलम यह है कि भारत अब आर्मेनिया का सबसे बड़ा हथियार निर्यातक देश बन गया है। आर्मेनिया ने साल 2020 में भारत से आकाश एयर डिफेंस सिस्टम खरीदा था। आर्मेनिया भारत से बहुत बड़े पैमाने पर हथियार अभी और खरीदने जा रहा है। इसमें लंबी दूरी तक मार करने वाली तोपें और अस्त्र एयर टु एयर मिसाइल शामिल है। आर्मेनिया

आर्मेनिया ने भारत से खरीदी आकाश मिसाइल, पिनाका रॉकेट

ने इच्छा जताई है कि भारत उसके सुखोई 30 विमानों को अपग्रेड करे जिसे उसने रूस से खरीदा था। इन सुखोई विमानों में ही अस्त्र मिसाइल को लगाया जाना है।

नगोर्नो कराबाख पर कब्जा करने के बाद भी अजरबैजान की सेना लगातार आर्मेनियाई इलाके पर हमले करती रहती है। यही नहीं तुर्की और पाकिस्तान की ओर से उसे घातक हथियारों की मदद भी मिल रही है। अब तक आर्मेनिया रूस से हथियार खरीदता था लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद उसे मास्को से हथियारों की सप्लाई नहीं हो पा रही है। इसको देखते हुए आर्मेनिया ने भारत के साथ दोस्ती मजबूत की है। जेम्स टाउन फाउंडेशन के विश्लेषकों का कहना है कि इससे भारत की दक्षिणी काकेकस इलाके में पकड़ मजबूत हुई है। भारत इस इलाके में अब तुर्की और पाकिस्तान के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला कर पा रहा है। साथ ही भारत की यूरोपीय और यूरेशियाई देशों में कनेक्टिविटी मजबूत हो रही है। इससे पहले अगस्त में रिपोर्ट आई थी कि आर्मेनिया को इस साल के अंत तक आकाश 1 एस एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम मिल जाएगा। आर्मेनिया ने साल 2022 में 15 आकाश मिसाइल सिस्टम के लिए समझौता किया था। यह पूरी डील 72 करोड़ डॉलर की थी। आर्मेनिया आकाश सिस्टम को खरीदने वाला पहला विदेशी खरीदार देश है।

इस दुस्साहस की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यरुशलम। यमन के उत्तरी हिस्से पर कब्जा किए ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों की दागी मिसाइल रविवार को पहली बार इजरायल के मध्य भाग तक पहुंची। यह मिसाइल 2,000 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करके इजरायल के भीतर आई है। इस मिसाइल से किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। गाजा में चल रहे युद्ध के बीच हूती ने कई बार इजरायल पर हमले की कोशिश की लेकिन पहली बार उनकी मिसाइल इजरायल के मध्य भाग तक आई। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि हाउती विद्रोहियों को इस दुस्साहस की भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। हूती के प्रवक्ता याह्या सरिया ने कहा है कि संगठन ने नई हाइपरसोनिक मिसाइल बनाई है जिसने 2,040 किलोमीटर की दूरी महज 11 मिनट 30 सेकेंड में तय की।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

शिक्षकों ने प्रधानाचार्य भर्ती के खिलाफ आंदोलन को किया खत्म

संघ प्रधानाचार्य के शतप्रतिशत पदों को प्रमोशन के जरिए ही भरे जाने की मांग पर अडिग

आश्वासन

संवाददाता

देहरादून। प्रधानाचार्य भर्ती के खिलाफ दो सितंबर से चल रहे आंदोलन को राजकीय शिक्षक संघ ने सोमवार को वापस ले लिया। बीते रोज मुख्यमंत्री के ओएसडी दलवीर दानू और माध्यमिक शिक्षा निदेशक लीलाधर व्यास द्वारा भर्ती परीक्षा पर दिए गए आश्वासन के बाद यह निर्णय किया गया। हालांकि संघ ने साथ ही यह चेतावनी दी भी कि राज्य शैक्षिक (अध्यापन संवर्ग) सेवा नियमावली को निरस्त न किया गया तो दोबारा आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा। इसी नियमावली के तहत प्रधानाचार्य के रिक्त 692 पदों पर विभागीय स्तर पर भर्ती कराई जा रही है। दोपहर माध्यमिक शिक्षा निदेशक व्यास ने निदेशालय परिसर में धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने 14 सितंबर से भूखहड़ताल पर बैठे शिक्षक देवेंद्र सिंह बिष्ट, अर्जुन पंवार और अंकित रौथाण को नारियल पानी पिलाकर अनशन तुड़वाया। इसके साथ ही संघ ने आंदोलन को वापस लेने का ऐलान कर दिया।

शिक्षक संघ की मांगों से उच्च स्तर को अवगत कराया गया है। शासन के दिशानिर्देशों के अनुसार आगे कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। मांगों पर आगे कार्यवाही के लिए शिक्षक संघ से सहमति के साथ उच्च स्तर पर विचार विमर्श किया जाएगा। आमरण अनशन, धरना प्रदर्शन में शामिल शिक्षकों के खिलाफ किसी भी प्रकार की उत्पीड़नात्मक कार्यवाही नहीं की जाएगी।

—लीलाधर व्यास,
माध्यमिक शिक्षा निदेशक।

चेतावनी

संघ ने साथ ही यह चेतावनी दी भी कि राज्य शैक्षिक (अध्यापन संवर्ग) सेवा नियमावली को निरस्त न किया गया तो दोबारा आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा। इसी नियमावली के तहत प्रधानाचार्य के रिक्त 692 पदों पर विभागीय स्तर पर भर्ती कराई जा रही है।

संघ अध्यक्ष राम सिंह चौहान ने कहा कि संघ प्रधानाचार्य के शतप्रतिशत पदों को प्रमोशन के जरिए ही भरे जाने की मांग पर अडिग है। उच्चाधिकारियों के उचित कार्यवाही के आश्वासन पर आंदोलन को वापस लिया गया है। संघ की मांगों को लेकर शिक्षा सचिव को आज ज्ञापन भेजा गया है। इसमें नियमावली को तत्काल निरस्त करने और एलटी–प्रवक्ता से हाईस्कूल प्रधानाध्यापक और एलटी से प्रवक्ता पदों पर प्रमोशन की प्रक्रिया को जल्द शुरू करने की मांग की गई है। यदि इन दोनों मांगों पर कार्यवाही नहीं होती तो संघ आज स्थगित किए स्तर से दोबारा आंदोलन शुरू कर देगा।

इससे पहले सोमवार सुबह शिक्षक संघ प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्यों ने प्रदेश अध्यक्ष चौहान के नेतृत्व में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उनके कैंप कार्यालय में मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने मुख्यमंत्री को आंदोलन वापस लेने की सूचना भी दी और नियमावली को भंग करने व प्रमोशन प्रक्रिया को जल्द शुरू कराने का अनुरोध भी किया। इस मौके पर राजकुमार चौधरी, श्याम सिंह सरियाल, जगदीश बिष्ट, गोकुल मर्तोलिया, हेमंत पैन्यूली, रविशंकर गुसाई, प्रणय बहुगुणा, बलराज गुसाई, प्रकाश चौहान, आलोक रौथान, दिलबर रावत, भारतेंदु जोशी, बलवंत असवाल, अतोल महर, लक्ष्मण सजवान, रविंद्र रोड, हरेंद्र सैनी, भूपेंद्र भंडारी,भुवन चिलवाल आदि शामिल रहे।

न्यूज डायरी

छह शहरों में आयोजित होंगे पांचवे उत्तराखंड राज्य खेल

संवाददाता हल्द्वानी। 38वें राष्ट्रीय खेल से पहले हो रहे पांचवें उत्तराखंड राज्य खेल का आयोजन अब प्रदेश के छह शहरों में होगा। सबसे अधिक 12 खेल प्रतियोगिताएं रुद्रपुर में आयोजित होंगी। साथ ही राज्य खेल का उद्घाटन और समापन समारोह भी रुद्रपुर में होगा। उत्तराखंड ओलंपिक संघ की ओर से 20 से 27 सितंबर तक होने वाले इन 33 खेलों का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। पांचवें उत्तराखंड राज्य खेलों के आयोजन के लिए रुद्रपुर के साथ ही नैनीताल, हल्द्वानी, काशीपुर, हरिद्वार, रुड़की और देहरादून का चयन किया गया है। नैनीताल में 4 खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी, जबकि हल्द्वानी में दो खेलों का आयोजन किया जा रहा है। काशीपुर, रुड़की, हरिद्वार और देहरादून में एक–एक खेल प्रतियोगिता करवाई जा रही है। पुरुष वर्ग में 32 खेल 20 से 23 सितंबर तक आयोजित होंगे। एकमात्र मॉथर्न पेंटाथलॉन 27 सितंबर तक चलेगा। वहीं महिला वर्ग के 31 खेल 22 सितंबर से 27 सितंबर तक खेले जाएंगे।

भारत–पाक युद्ध के योद्धाओं को सम्मानित किया

संवाददाता ऋषिकेश। 8वीं गढ़वाल राइफल के पूर्व सैनिकों ने युद्ध सम्मान दिवस धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम में वर्ष 1965 के भारत–पाक युद्ध में शामिल योद्धाओं को सम्मानित किया गया। सोमवार को रायवाला स्थित मिडवे रिसोर्ट में 8वीं गढ़वाल राइफल ने कार्यक्रम आयोजित किया। पूर्व सैनिकों ने युद्ध सम्मान दिवस पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में 1965 के भारत–पाक युद्ध में भाग लेने वाले सूबेदार ऑनरेरी कैप्टन हुकुम सिंह नेगी, हवलदार राजेन्द्र प्रसाद मनोड़ी, राइफल मैन सोबन सिंह भंडारी और वीर नारी राधा भंडारी को सम्मानित किया गया। युद्ध के अनुभव साझा करते हुए हुकुम सिंह नेगी ने कहा कि पाकिस्तान ने धोखे से हमारे सैनिकों को मारा।

एचडीएफसी बैंक ने 5 लाख सीमांत किसानों की आय बढ़ाने का लक्ष्य रखा

संवाददाता देहरादून। एचडीएफसी बैंक ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल श्परिवर्तनश् के तहत 2025 तक सालाना 60,000 रुपए से कम आय वाले 5 लाख सीमांत किसानों की आय बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब बैंक परिवर्तन के 10 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है, जिसने पहले ही पूरे भारत में 10 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। ग्रामीण विकास पर बैंक का ध्यान सतत विकास को बढ़ावा देने और कमजोर समुदायों के उत्थान के लिए इसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 2014 में अपनी शुरुआत के बाद से, परिवर्तन भारत के सबसे बड़े सीएसआर कार्यक्रमों में से एक बन गया है, जो 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में सक्रिय है।

निजी अस्पताल में मरीज की मौत पर हंगामा

संवाददाता ऋषिकेश। टिहरी जिले के बछेलीखाल निवासी एक मरीज की रेलवे रोड स्थित निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत गई। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगाम किया। उन्होंने शव को अस्पताल के बाहर रखकर चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

सोमवार को डेंगू से पीड़ित 35 वर्षीय डबल सिंह रावत की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जिस पर परिजनों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। जिसके चलते अस्पताल में भीड़ जमा हो गई। परिजनों ने बताया कि दो दिन पहले ही वह डबल सिंह को अस्पताल लेकर आए थे। उन्हें डेंगू होने के कारण भर्ती कराया गया है, लेकिन अचानक उनकी मौत हो गई। आरोप लगाया कि चिकित्सक की लापरवाही से यह घटना हुई। आक्रोशित परिजनों को मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह से शांत कराया। वहीं, डॉ. हरिओम प्रसाद ने बताया कि डबल सिंह को डेंगू के अलावा भी कई शारीरिक शिकायतें थी। उनका इलाज अस्पताल में किया जा रहा था। इलाज में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती गई है। वहीं, इस मामले में परिजन दोपहर में डबल सिंह शव लेकर गांव चले गए। बताया जा रहा है कि डबल सिंह रावत की दो बेटियां हैं।

खुरपका व मुंहपका रोग की रोकथाम के लिए चलाया टीकाकरण अभियान

संवाददाता पुरोला। विकासखण्ड पुरोला में पशुपालकों के पशुओं को खुरपका व मुंहपका रोग की रोकथाम के लिए पशुपालन विभाग द्वारा वृहत्त स्तर पर गांव गांव जा कर टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है जिससे कि विमारी से पूर्व बचाव किया जा सके। क्षेत्रीय पशुधन प्रसार अधिकारी चंद्रमोहन ने बताया कि 10 सितम्बर से क्षेत्र में मुंहपका व खुरपका रोग की रोकथाम के लिए टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस बीमारी में पशुओं के मुंह से लार टपकने लगती है व पशुओं के पैरों में भी इंफेक्शन हो जाता है और पशु ना तो चल फिर सकता है और ना घास खा सकता है जिससे कि कई पशुओं की मौत भी हो जाती है। उन्होंने क्षेत्र के पशु पालकों से अपील की है कि पशुओं को घर पर ला कर टीकाकरण अवश्य करवा लें। पशुपालन विभाग की टीम घर घर जा कर टीकाकरण कर रही है।

भाजपा सरकार नफरत का जहर घोल रही हैः गुलफाम अली

संवाददाता।

■भाजपा सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने का कर रही है काम

देहरादून 16 सितम्बर समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय सचिव एव जिला प्रभारी गुलफाम अली ने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं के साथ बढते रेप काण्ड, हत्या, बलात्कार और बढती महगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से जनता का ध्यान हटाने के लिएं समाज में नफरत का माहौल फैला कर भाजपा सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने का काम कर रही है।

अली ने सोमार को पार्टी के परेड ग्राउंड कार्यलय में पार्टी देहरादून की जिला कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार मे दलितों, पिछडो, मुसलमानों का उत्पीड़न हो रहा है, सरकार तानाशाही पर उतर आई है। सरकारी अधिकारी बेलगाम हो गये हैं, भ्रष्टाचार से जनता परेशान हैं, बेरोजगारी की फौज दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है, बेतहाशा बढती महगाई से जनता बेहाल है अर्थात देश व प्रदेश मे सरकार नाम की कोई वस्तु नही है।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए समाजवादी पार्टी देहरादून के जिला अध्यक्ष सगीर मिर्जा ने कहा कि उत्तर प्रदेश की तर्ज पर समाजवादी पार्टी पीडीए फार्मूले पर काम कर, दलितों, पिछडो, अल्पसंख्यकों, वह गरीब अगडी जाती के लोगों को समाजवादी पार्टी से जोडकर आगामी नगर निकाय चुनाव को मतबुती से लड़ेगी।

बैठक मे प्रस्ताव पास कर उतराखण्ड मे ओबीसी आरक्षण 14: से बढाकर 27 प्रतिशत करने की मांग की गई। दूसरे प्रस्ताव मे रूद्रपुर उधमसिह नगर मे नर्स रेप हत्याकाण्ड व हरिद्वार जिले के सौहलपुर गाडा के जिम ट्रेनर वसीम अहमद उर्फ मोनू की हत्या की जांच सीबीआई से कराने की मांग की गई। तीसरे प्रस्ताव मे देहरादून जिले में नगर निकाय चुनाव मजबूती से लडने का निर्णय लिया गया। चौथे प्रस्ताव मे रेप हत्या बलात्कार के दोषियों को फासी की सजा देने का कानून यहा की सरकार से बनाने की मांग की गई।

खतडुवा पर्व पर कुमाऊं में विशेष उल्लास

संवाददाता हल्द्वानी। सोमवार को उत्तराखंड में कुमाऊं का प्रमुख लोकपर्व खतडुवा परंपरागत तरीके से मनाया गया। कन्या संक्रांति के अवसर पर मनाए जाने वाले इस पर्व का विशेष महत्व है। यह पर्व न केवल कुमाऊं, बल्कि गढ़वाल और नेपाल के कुछ हिस्सों में भी मनाया जाता है। ज्योतिषी अशोक वार्ष्णेय ने बताया, आश्विन मास में जब सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करते हैं, तो उस दिन को कन्या संक्रांति कहा जाता है। कुमाऊं में इस दिन को खतडुवा के रूप में मनाने की परंपरा रही है। यह पर्व ऋतु परिवर्तन और पशुधन की रक्षा के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। बच्चों का दल भैल्लौ जी भैल्लौ, गाई की जीत, खतडुवा की हार जैसे लोकगीत गाते हुए, फूलों से सजे पुतले का दहन करते हैं। पुतले की राख पशुओं के माथे पर लगाई जाती है, जिससे पशुओं की सुरक्षा होने का विश्वास है। इसके बाद पहाड़ी फल श्काकड़श या ककड़ी को प्रसाद के रूप में बांटा जाता है।

बचकानी सोच

नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 3 के मुताबिक देश में 20 से 24 साल के बीच की 47 फीसदी महिलाएं ऐसी पाई गईं जिनकी शादी 18 साल से कम उम्र में हो गई थी। एनएफएचएस–4 में यह घटकर 27 फीसदी पर पहुंच गया और एनएफएचएस–5 में और घटकर 23 फीसदी हो गया।

अनुज श्रीवास्तव।।

हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार शादी की न्यूनतम आयु सीमा बढ़ाकर वास्तव में क्या हासिल करना चाहती है, समझना मुश्किल है। राज्य विधानसभा में इसी सप्ताह एक विधेयक पारित किया गया जिसके मुताबिक शादी की न्यूनतम आयु 21 साल कर दी गई। दिलचस्प है कि इस कदम पर प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी कांग्रेस ने भी हैरत जताई।

राज्य विधानसभा में पारित होने के बावजूद इस विधेयक का कानून बनकर लागू होना मुश्किल है। इस विधेयक में चाइल्ड मैरिज (प्रॉहिबिशन) एक्ट 2006 को संशोधित किया गया है, जिसे संसद ने पारित किया था। जाहिर है, राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद भी लागू होने से पहले इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाना है। क्या देश भर में लागू एक कानून से अलग प्रावधान वाले इस विधेयक को राष्ट्रपति की हरी झंडी मिलेगी?

इस विधेयक ने कांग्रेस पार्टी के लिए भी असहज हालात पैदा कर दिए हैं। साल की शुरुआत में जब केंद्र सरकार ने पिछली लोकसभा में इसी तरह का एक कानून लाने की कोशिश की थी तो कांग्रेस ने उसका विरोध किया था। ऐसे में अब उसी के शासन वाले राज्य में इस विधेयक के पारित होने के बाद उसके सामने सवाल आ गया है कि वह विधेयक की निंदा करे तो कैसे और उसका बचाव करे तो कैसे।

सबसे बड़ी बात तो यह है कि राज्य में ऐसी किसी पहल की कोई मांग भी नहीं थी। ऐसा भी नहीं है कि हिमाचल बाल विवाह के मामले में अग्रणी राज्यों में आता हो। झारखंड जैसे राज्यों में हालात कहीं बदतर हैं। लेकिन अगर बाल विवाह के कुछ मामले राज्य में होते भी हैं तो कानून बनाकर उसे रोक लेने की सोच अव्यावहारिक और बचकानी कही जाएगी।

लड़कियों की कम उम्र में शादी के पीछे गरीबी, शिक्षा की कमी, अवसर का अभाव और पितृसत्तात्मक सोच जैसे कारक हैं। देश में जैसे–जैसे इन मोर्चों पर हालात बदले हैं, बाल विवाह में भी कमी देखी गई है। नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 3 के मुताबिक देश में 20 से 24 साल के बीच की 47 फीसदी महिलाएं ऐसी पाई गईं जिनकी शादी 18 साल से कम उम्र में हो गई थी। एनएफएचएस–4 में यह घटकर 27 फीसदी पर पहुंच गया और एनएफएचएस–5 में और घटकर 23 फीसदी हो गया। इसके लिए कानून बदलने की कोई जरूरत नहीं पड़ी।

जाहिर है, राज्य सरकार का मकसद चाहे जो भी हो, समस्या को सुलझाने में इस कदम से कोई मदद नहीं मिलेगी, उलटे इससे कानूनी उलझन और बढ़ेगी। बेहतर होगा, सरकार यह कदम वापस लेकर लड़कियों को सशक्त बनाने की दिशा में प्रयास तेज करे।

दो राहगीर

अशोक वोहरा।

धर्म-दर्शन

खाना खाने के बाद, भोलाराम को नींद आ जाती है और वह पेड़ से टिक कर सो जाता है। उसी सड़क से दो राहगीर गुजर रहे होते हैं, अचानक उनकी नजर भोलाराम पर पड़ती है। वह पेड़ से टिका हुआ, सो रहा होता है और उसके बगल में, एक थैला और कांवड़ रखी होती है। ये दोनों राहगीर आदतन अपराधी थे। भोलाराम का थैला चोरी करने के विचार से दोनों उसकी तरफ बढ़ने लगते हैं। भोलाराम के थैले में कुछ पैसे और उसके यात्रा में उपयोग होने वाली जरूरी वस्तुएँ रखी हुई थी। दोनों राहगीर, जैसे ही भोलाराम का थैला उठाते हैं। दहशत से उनके पाँव काँपने लगते हैं, क्योंकि थैला उठाते ही, भोलाराम के सर के ऊपर, एक बहुत विशाल साँप, फन फैलाए खड़ा हो जाता है। साँप को देखते ही, थैला छोड़कर दोनों दुम दबाकर भाग जाते हैं।

....शेष कल

संपादकीय

तीन स्पीडब्रेकर

इस सियासी दंगल में सबसे अहम होंगे मुद्दे। हरियाणा में बेरोजगारी की उच्च दर अरसे से चर्चा का विषय है। लेकिन ठश्रच के लिए असल चुनौती तीन बड़े 'स्पीडब्रेकर' पार करने की होगीरू किसान आंदोलन, महिला पहलवानों के दिल्ली में अनशन से बना माहौल व 'अग्निवीर' के नाम से चर्चित 'अग्निपथ' योजना। विवादास्पद कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की सीमा पर साल से भी लंबे चले किसान आंदोलन का ठिकाना हरियाणा ही था। अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में सबसे ज्यादा मेडल हरियाणा के खिलाड़ी ही लाते हैं। सेना में भागीदारी वाले राज्यों में भी हरियाणा अग्रणी है। कांग्रेस स्वाभाविक ही इन सबका चुनावी लाभ उठाना चाहेगी। राज्य और केंद्र में सत्तारूढ बीजेपी को भी इन चुनौतियों का अहसास है। इसीलिए सुधारात्मक कदम उठा कर सकारात्मक संदेश देने की कोशिश हो रही है, पर इतनी देर से की जानेवाली ये 'कुछ कोशिशें' क्या जनता का मन बदल पाएंगीकृहरियाणा का जनादेश बहुत कुछ इस पर भी निर्भर करेगा।

हाथ कांग्रेस का चुनाव चिह्न है, जो 10 साल से राज्य की सत्ता से बाहर है और चाबी उस जेजेपी का चुनावी चिह्न है, जो अपने गठन के साल भर के अंदर ही हरियाणा में 'किंग मेकर' बनकर तो उभरी, पर अब बिखराव के कगार पर है।

कांग्रेस को बढ़त

राज कुमार सिंह।।

राजधानी होने के साथ ही देश का दिल भी मानी जाने वाली दिल्ली के तीन ओर बसा हरियाणा आकार और आबादी में छोटा है, लेकिन खेल से राजनीति तक उसकी धमक बड़ी रहती है। केंद्रीय सत्ता के लिए अप्रैल–जून के बीच हुए चुनावों के बाद अब हरियाणा की सत्ता के दंगल का ऐलान हो चुका है। 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे और 4 अक्टूबर को पता चल जाएगा कि मतदाताओं ने हरियाणा की सत्ता की चाबी किसके हाथों दी। वैसे, हाथ कांग्रेस का चुनाव चिह्न है, जो 10 साल से राज्य की सत्ता से बाहर है और चाबी उस जेजेपी का चुनावी चिह्न है, जो अपने गठन के साल भर के अंदर ही हरियाणा में 'किंग मेकर' बनकर तो उभरी, पर अब बिखराव के कगार पर है।

हरियाणा की राजनीति दशकों तक तीन चर्चित लालोंरू बंसीलाल, देवीलाल और भजनलाल के इर्दगिर्द घूमती रही। 2014 में नरेंद्र मोदी की लहर के चलते बीजेपी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में बहुमत हासिल कर मुख्यमंत्री के रूप में जिन मनोहर लाल को चुना, चौथे लाल के रूप में वह राज्य की राजनीति की चाल बदलने वाले साबित हुए। आज तीनों चर्चित लाल परिवार के सदस्य बीजेपी का झंडा उठाए हुए हैं। 2014 में देवीलाल परिवार की पार्टी

आईएनएलडी ने 15 सीटों वाली कांग्रेस को पीछे छोड़ते हुए 19 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी दल का दर्जा हासिल किया, लेकिन 2019 आते–आते सब कुछ बदल गया। देवीलाल परिवार में विभाजन से जेजेपी जन्मी और आईएनएलडी में ऐसी भगदड़ मची कि कांग्रेस को मुख्य विपक्षी दल का दर्जा मिल गया। अब जबकि 2024 के विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है, जेजेप में भी वैसी ही भगदड़ है। 10 में सात विधायक उसे अलविदा कह चुके हैं। हाल के लोकसभा चुनाव में जेजेप उम्मीदवार जमानत तक नहीं बचा पाए, जबकि कांग्रेस ने 10 में से पांच लोकसभा सीटें जीत लीं। विधानसभा क्षेत्रों की दृष्टि से देखें तो कांग्रेस ने कुल 90 में से 46 में बढ़त हासिल की, जबकि बीजेपी ने 44 में। फिर भी यह नहीं भूलना चाहिए कि हर चुनाव और उसके मुद्दे अलग होते हैं। 2019 के चुनाव पर ही नजर डाल लें। बीजेपी ने लोकसभा की सभी 10 सीटें जीतीं, लेकिन चंद महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में 46 सीटों का बहुमत का आंकड़ा भी नहीं छू पाई। इसलिए हालिया लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 46 विधानसभा क्षेत्रों में मिली बढ़त को एक हद से ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए। इसलिए भी कि लोकसभा चुनाव से दो महीने पहले अचानक ही मनोहर लाल खट्टर ने इस्तीफा दे दिया, नायब सिंह सैनी नए मुख्यमंत्री बने और बीजेपी से गठबंधन भी टूट गया। ऐसे घटनाक्रम का अप्रत्याशित चुनावी प्रभाव और परिणाम होता है।

ऐन चुनाव से पहले होने वाले पाला–बदल का लाभ बीजेपी के साथ ही कांग्रेस को भी हुआ है, लेकिन दस साल पहले जिस अंतर्कलह के चलते कांग्रेस की दुर्गति हुई थी, उससे वह आज भी मुक्त नहीं। दस साल मुख्यमंत्री रहे भूपेंद्र सिंह हुड्डा को नेता प्रतिपक्ष और उन्हीं की पसंद से उदयभान को प्रदेश अध्यक्ष बना कर आलाकमान ने उन्हें 'फ्री हैंड' का ही संदेश दिया है। ऐसे में हुड्डा विरोधियों के समक्ष कमल थामने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा, लेकिन अभी भी कुमारी सैलजा और रणदीप सिंह सुरजेवाला के रूप में दो दिग्गज ऐसे मौजूद हैं, जिनकी आलाकमान तक सीधी पहुंच है। दोनों ही राष्ट्रीय महासचिव हैं।

सूडोकु नवताल-5179

सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5178 का हल

8	2	4		9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

अपना ब्लॉग

सीएम पद पर रस्साकशी

मोहन। सिरसा से सांसद चुने जाने के बावजूद सैलजा ने विधानसभा चुनाव लड़ने का संकेत दे कर साफ कर दिया है कि वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल हैं। कांग्रेस द्वारा किसी को 'सीएम फेस' पेश करने के आसार कम ही हैं, लेकिन रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा जिस तरह 'हरियाणा मांगे हिसाब' यात्रा निकाल रहे हैं, उसे भूपेंद्र हुड्डा द्वारा अपने बेटे को स्थापित करने के रूप में देखा जा रहा है। जवाब में सैलजा भी अलग यात्रा निकाल रही हैं। यह खेमेबाजी टिकट वितरण में भी दिखेगी। बीजेपी और कांग्रेस में सीधी टक्कर के आसार का अर्थ यह नहीं कि अन्य दल चुनाव को प्रभावित नहीं करेंगे। लोकसभा चुनाव कांग्रेस के साथ गठबंधन में लड़ने वाली आप विधानसभा चुनाव अलग लड़ रही है, तो आईएनएलडी ने बीएसपी के साथ गठबंधन किया है। जेजेपी भी चुनाव मैदान में ताल ठोकेगी ही। पिछले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर किसी को भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। बहुकोणीय मुकाबला बीजेपी के लिए अनुकूल होगा, क्योंकि सत्ता विरोधी वोट बंट जाएंगे।

राम चरण की पिता चिरंजीवी ने पुलिस बेल्ट से की थी पिटाई

साउथ के फेमस एक्टर राम चरण का अपने पिता और मेगास्टार चिरंजीवी के साथ खूबसूरत रिश्ता अक्सर चर्चा का विषय रहा है। दोनों के बीच प्यारा बॉन्ड है और आज भी, उनका बेटा अपने पिता को अपने जीवन और करियर की सबसे बड़ी प्रेरणा मानता है। हालांकि, राम को एक बार अपने पिता के साथ एक बात याद आई थी, जब चिरंजीवी ने उन्हें पुलिस बेल्ट से मारा था। इस बारे में सुनकर आप भी सोच पड़ेंगे कि उनके साथ भी ऐसा होता था। 2020 में एक टीवी चैनल के साथ एक इंटरव्यू में, राम चरण ने अपने बचपन की एक याद के बारे में बात की थी जब उन्हें अपने पिता चिरंजीवी से बड़ी पिटाई पड़ी थी। राम चरण ने याद किया कि उस समय वह केवल 8 साल के थे और यह तब हुआ जब उन्होंने अपने ड्राइवर और सिक्योरिटी गार्ड्स से कुछ बुरे शब्द या यूं कह लें कि गाली देना सीख लिया था। राम ने कहा था, श्उन्होंने मुझे बचपन में सिर्फ एक बार पीटा है। मैं 8 साल का था और मैंने देखा कि मेरा ड्राइवर और सिक्योरिटी गेट के पास एक–दूसरे से बात कर रहे थे। मुझे उनकी कुछ बातें समझ नहीं आईं। मैं घर के अंदर गया और नागा बाबू अंकल से पूछा। मेरे पिता अभी शूटिंग से घर लौटे थे। मेरे चाचा मुझे अपने कमरे में ले गए। हालांकि, मेगास्टार ने राम चरण को पुलिस बेल्ट से पीटा, जो उन्हें उनके पिता ने दिया था।

ऐश्वर्या राय के नक्शेकदम पर चलेंगी दीपिका पादुकोण!

गणेश चतुर्थी के दूसरे दिन दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह एक बेटी के माता–पिता बने। इस कपल ने 8 सितंबर, 2024 को इसकी घोषणा की। खैर, रणवीर की एक बच्ची के पिता बनने की इच्छा पूरी हो गई है, क्योंकि उनकी पत्नी ने एक मिनी–दीपिका को जन्म दिया है। शाहरुख खान और अंबानी ने एचएन अस्पताल में एक्ट्रेस से मुलाकात की है और वे दोनों अपने घर में नन्हीं लक्ष्मी को लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दीपिका पादुकोण ऐश्वर्या राय बच्चन की पालन–पोषण के स्टाइल को फॉलो कर सकती हैं और नैनी को काम पर रखने से खुद को रोक सकती हैं। इससे पहले, हमें पता चला था कि रणवीर सिंह रणबीर कपूर की पेरेंटिंग स्टाइल को चुन सकते हैं क्योंकि वह इससे इंप्रेस हैं और अब, एक और रिपोर्ट से पता चला है कि दीपिका तीन एक्ट्रेसेस आलिया भट्ट, अनुष्का शर्मा और ऐश्वर्या राय बच्चन की पालन–पोषण की शैली को चुन सकती हैं।

गोविन्दा के घर नौकरानी बनकर रह रही थी मंत्री की बेटी

गोविन्दा बॉलीवुड के सबसे पॉप्युलर और चहेते कलाकारों में गिने जाते हैं, जिनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग रही है। एक्टर के फैन्स उनकी एक झलक के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते। एक बार तो ऐसा हुआ कि एक मंत्री की बेटी उनके घर काफी दिनों तक नौकरानी बनकर रही थे, जिसके बारे में घरवालों को कानों–कान कोई खबर नहीं थी। गोविन्दा की वाइफ ने ये पूरा किस्सा खुद सुनाया है। गोविंदा 1990 के दशक चहेते स्टार थे और खासकर लड़कियां उनपर मरती थीं। आलम ये था फिल्मों के सेट, पब्लिक प्लेस पर लड़कियां उनसे मिलने, उन्हें देखने के लिए भीड़ लगा दिया करती थीं। उनकी वाइफ सुनीता ने यहां तक बताया कि कुछ लोग उन्हें स्टेज पर देखकर बेहोश भी हो जाते थे। गोविन्दा के फैन्स का एक मजेदार किस्सा उनकी वाइफ सुनीता ने सुनाया, जिसे सुनकर आप भी अपना माथा पकड़ लेंगे। उन्होंने बताया कि एक बार एक महिला उनके घर काम करने वाली मेड बनने का नाटक किया और 20 दिनों तक उनके घर में ही रहीं। सुनीता ने श्टाइम आउट विद अंकितश पॉडकास्ट में गोविन्दा से जुड़े किस्से शेयर करते हुए बताया कि उनकी कैसी जबरदस्त फैन फॉलोइंग रही है। उन्होंने कहा, श्एक बार गोविन्दा की एक महिला फैन हमारे घर पर नौकरानी होने का नाटक किया था। हालांकि मुझे उसे देखकर लग रहा था कि वह किसी अच्छे परिवार से है।

मुझे गर्व है कि मैं हिंदी लिख और पढ़ सकती हूं: भूमि

हिंदी को लेकर अपनी बचपन की यादों को शेयर करते हुए भूमि बताती हैं, हिंदी हमारी सबसे व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषा है हिंदुस्तान की। असल में मैं बड़ी हो रही थी, तो मं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं और अपनी मां का धन्यवाद अदा करना चाहती हूं , जो उन्होंने मुझे एक ऐसे स्कूल में दाखिल किया, जहां हिंदी अनिवार्य थी। मैं इस बात को लेकर गर्व महसूस कर सकती हूं कि अपनी समकालीनों में मैं हिंदी लिख और पढ़ सकती हूं। बोल तो सभी लेते हैं, मगर लिखना–पढ़ना सभी नहीं कर पाते। मुझे लगता है मेरी हिंदी और संवर सकती है।

स्कूल में पनपा हिंदी से रिश्ता

भूमि अपने स्कूली दिनों को याद करते हुए बताती हैं, श्मेरा पहला रिश्ता हिंदी से स्कूल में ही बना। ये वही दौर था, जब मुझे लगा कि शायद मुझे अभिनय के क्षेत्र में मजा आने वाला है, क्योंकि क्लास में मेरी शिक्षिका मुझे हिंदी के पाठ पढ़ने को कहा करती थीं। कई बार वे हिंदी की कहानियां होती थीं। मुझे याद है, मैंने ईदगाह पढ़ी थी। बहुत ही स्पष्ट स्मृति है। कक्षा में और भी कई कहानियां पढ़ी हैं मैंने, मगर ईदगाह को मन लगा कर पूरे भाव के साथ पढ़ना याद है मुझे। उस कहानी को पढ़ने के बाद मैं क्लास में काफी सराही गई थी। हमारी हिंदी की टीचर गीता मैम ने मेरी काफी प्रशंसा की थी। तब से हिंदी और हिंदी कहानियों के साथ एक लगाव–सा हो गया था। स्कूल के वार्षिकोत्सव पर हम हिंदी नाटक किया करते थे। हम एक आरएसएस स्कूल में गए थे, वहां बकायदा हिंदी और संस्कृत को बहुत महत्व दिया जाता था।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ऑडिशन में हिंदी कहानी पर मोनोलॉग

भूमि अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहती हैं, जैसा कि मैंने कहा कि कॉलेज में भी मैं सभी सांस्कृतिक गतिविधियों में आगे रहने के लिए जानी जाती थी। पिछले साल जब मैं अपने स्कूल जाकर अपनी टीचर्स से मिली तो उन्होंने भी दूसरे विद्यार्थियों को बताया कि कैसे मैं नाटक और हिंदी के कार्यक्रमों में अबाधचध कर हिस्सा लिया करती थी। यह भी काम दिलचसप नहीं है कि प्रेमचंद जी की बड़े भाई साहब नामक जो कहानी मैंने स्कूल में पढ़ी थी, उसका मुझ पर गहरा प्रभाव रहा। जब मैं अपनी एक्टिंग क्लास के लिए ऑडिशन दे रही थी, तो मुझे टू गेट इंटू ऑडिशन क्लास में हिस्सा लेना था और तब उन्होंने मुझे प्रेमचंद की बड़े भाई साहब कहानी का मोनोलॉग दिया था, जिस पर मुझे परफॉर्म करना था। यहां भी अपनी इस पसंदीदा कहानी पर मैंने मन लगा कर मोनोलॉग प्रस्तुत किया था, तो यह कहानी मेरे जीवन का अमिट हिस्सा बन गई।

ऑनलाइन पर हिंदी का बोलबाला

ऑनलाइन पर हिंदी के फलते–फूलते स्वरुप पर भूमि कहती हैं, वाकई यह बदलाव हाल ही में देखने मिला है। मेरे कई समकालीन अपनी पोस्ट पर हिंदी में कैप्शन डालते हैं। बहुत सारे प्लैटफॉर्म हैं, जहां आप अपना साहित्य या लेखन अपलोड कर सकते हैं। हमारे पास अपनी भाषा की बेहद संपन्न, बृहद और समृद्ध विरासत है, हमें इस पर गर्व होना चाहिए। हमारे लेखक बेहद कमाल की कहानियां और लेखन की विरासत छोड़ गए हैं। अमिन आशा करती हूं कि हमारी पीढ़ी और आने वाली पीढ़ी उसक लाभ ले सके।श क्या भूमि ने कभी कोई कहानी या कविता लिखने की कोशिश की? के सवाल पर वे कहती हैं, माइन कभी कोई कविता या कहानी लिखने की कोशिश नहीं की, मगर मैं हिंदी बहुत तेज गति से लिख सकती हूं। मुझे हमारी कहानियां बहुत ज्यादा पसंद हैं और इस इंटरव्यू को करने के बाद मुझे अहसास हो रहा है कि काफी सालों से इतनी हिंदी लेखकों को पढ़ा नहीं, जो पहले पढ़ती थी, तो आप लोगों का धन्यवाद, मुझे दोबारा इस ओर मोड़ने के लिए।

देवोलीना के प्रेग्नेंसी ग्लो पर भारी पड़े 41 साल के चिराग पासवान

विशाल सिंह के बर्थडे के लिए चिराग पासवान ने काले रंग की ड्रेस पहनी थी। पपाराजी के लिए अपने ठथ्थ के साथ पोज देते समय वह किसी हीरो से कम नहीं लग रहे थे। कैबिनेट मंत्री की उपस्थिति ने इवेंट में चार चांद लगा दिया। विशाल को जन्मदिन की बधाई देने वाला चिराग का एक वीडियो नेटिजन्स का दिल जीत रहा है।

बीती शाम सितारों से सजी शाम थी। साथ निभाना साथिया में जिगर के रोल के लिए मशहूर विशाल सिंह 13 सितंबर को अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने एक बर्थडे पार्टी की मेजबानी की और अपने दोस्तों को इनवाइट किया। उन्होंने शटरबग्स के लिए कैबिनेट मंत्री चिराग पासवान के साथ तस्वीरें खिंचवाई। होने वाली मां देवोलीना भट्टाचार्जी भी अपने पति शहनवाज शेख के साथ पार्टी में शामिल हुईं। इसके अलावा पार्टी में रवि दुबे, सृष्टि रोडे और कई लोग पहुंचे।

विशाल सिंह की बर्थडे पार्टी

दूसरी ओर, श्साथ निभाना साथिया फेम विशाल ने पूरी तरह से सफेद कपड़े पहने थे और इसमें वो शानदार लग रहे थे। बता दें, विशाल की जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने से पहले चिराग को एकता कपूर के घर पर गणपति पूजा के लिए देखा गया था।

देवोलीना का प्रेग्नेंसी ग्लो

उनके अलावा, देवोलीना भट्टाचार्जी को लाइट पिंक कलर के फ्लोई गाउन के साथ सुनहरे रंग के जूते में देखा गया। उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी की चमक साफ झलक रही थी और प्यारे छोटे बेबी बंप ने लाइमलाइट चुरा ली। उन्होंने अपने दोस्त विशाल के साथ भी पोज दिया और यह एक बेहतरीन पल था। देवोलीना के पति शहनवाज शेख ने सफेद शर्ट पहनी थी, जिसे उन्होंने नीली जींस और सफेद जूते के साथ पेयर किया।

भारी पड़े चिराग पासवान

देवोलीना और चिराग को विशाल की बर्थडे पार्टी में देखकर लोगों को बहुत मजा आ रहा है। जहां कुछ ने देवोलीना के बेबी बंप को देखकर उनके लिए प्रार्थना की, वहीं कुछ का ये भी कहना था कि चिराग पार्टी में हर किसी पर भारी पड़े।

बेचैन रहता है मन, पसीना आता है, हो सकते हैं पैनिक डिसऑर्डर के शिकार

पैनिक डिसऑर्डर एक ऐसी मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, जिसमें व्यक्ति गंभीर बेचैनी, चिंता और डर का अनुभव कर सकता है। पैनिक डिसअहर्डर के लक्षण करण और इसके बचाव के उपाय के बारे में जानकर आप इससे बचाव कर सकते हैं।

स्वस्थ जीवन शैली

संतुलित आहार अच्छी नींद, नशीले पदार्थ से बचाव, नियमित व्यायाम जैसे कि कार्डियो और योग शरीर और मानसिक तनाव मुक्त रखने में मदद कर सकते हैं। स्वस्थ जीवन शैली अपनाकर आप अपने डिसऑर्डर के लक्षणों को कम करने में खुद की मदद कर सकते हैं। पैनिक डिसऑर्डर एक बहुत ही गंभीर स्थिति हो सकती है लेकिन अगर आप सही उपचार और जीवन शैली को अपने तो इसके प्रभाव को कम कर सकते हैं। अगर आप पैनिक अटैक अनुभव कर रहे हैं या इसके लक्षणों से पीड़ित है तो उसे समय रहते डॉक्टर से मिले और उचित प्रबंधन और उपचार कर स्वास्थ्य मजबूत बनाएं।

सांस लेने की तकनीक पर कार्य

पैनिक डिसऑर्डर से पीड़ित लोगों को पैनिक अटैक के दौरान सांस लेने में दिक्कत होती है। इस उपचार में गहरी सांस लेना और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करना सिखाया जाता है, जिससे पैनिक अटैक के दौरान व्यक्ति चिंता को कम कर सके। यह तकनीक व्यक्ति को शांत करने में मदद कर सकती है।

मनोवैज्ञानिक उपचार

पैनिक डिसऑर्डर सबसे ज्यादा हमारे मानसिक स्थिति पर निर्भर करता है। संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी प्रभावशाली उपचारों में से एक है, जो व्यक्ति की नकारात्मक सोच को बदलने और नई स्ट्रैटेजिस को सिखाने में मदद करता है। वहीं एक्सपोजर थेरेपी जिसमें व्यक्ति को धीरे–धीरे और नियंत्रित तरीके से उन स्थितियों का सामना करना सिखाया जाता है, जो उनके अटैक को ट्रिगर करते हैं। यह दोनों ही मनोवैज्ञानिक उपचार में शामिल है।

पैनिक डिसऑर्डर के बचाव और प्रबंधन का तरीका

पैनिक डिसऑर्डर का इलाज सही समय पर और सही तरीके से करना बहुत जरूरी है। पैनिक डिसऑर्डर के प्रबंधन के लिए यहां पर कुछ उपाय दिए जा रहे हैं, जो इससे बचने में आपकी मदद कर सकते हैं। वहीं औषधि उपचार के द्वारा कुछ दवाइयों का इस्तेमाल करके मस्तिष्क रसायन को संतुलित किया जा सकता है। एंटीडिप्रेसेंट्सऔर एंटी एंजाइटी की दवाएं खाकर भी पैनिक डिसऑर्डर से बचा जा सकता है यह दवाई डॉक्टर के सलाह पर ही ली जानी चाहिए।

पैनिक डिसऑर्डर के कारण

यह एक मानसिक स्थिति है, जिसके कारण पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है लेकिन कुछ संभावित कारक हैं। इससे यह स्थिति उत्पन्न होती है। मस्तिष्क में कई रसायन मौजूद होते हैं जैसे कि कोर्टिसोल और सेरोटोनिन जैसे रसायनों के संतुलन की वजह से भी पैनिक डिसऑर्डर की समस्या हो सकती है।

आज भी पीरियड्स और मेनोपॉज जैसे जरूरी मुद्दों पर बात नहीं होती

समाजसेवी और लेखिका सुधा मूर्ति ने अपने एक इंटरव्यू में मेनोपॉज के बारे में खुलकर बात की। सुधा मूर्ति ने बताया कि जब वो 22–23 साल की थीं तब उनके गायनेकोलॉजिस्ट पिता डॉ. आर एच कुलकर्णी ने उन्हें मेनोपॉज के बारे में बताया। अपनी बड़ी होती बेटी के साथ पिता ने पीरियड्स पर भी बात की। हमारे देश में आज भी पीरियड्स और मेनोपॉज जैसे जरूरी मुद्दों पर बात नहीं होती। ज्यादातर महिलाएं भी इतना ही जानती हैं कि बड़ी होती बेटी को पीरियड्स शुरू हो जाते हैं और 50 की उम्र पार करते ही महिलाओं की माहवारी बंद हो जाती है। पीरियड्स शुरू और बंद होने के दौरान महिलाओं के शरीर में क्या बदलाव आते हैं और इसका उनके मन और शरीर पर क्या असर होता है, इसके बारे में खुद महिलाएं ही नहीं जानतीं। ऐसे में सुधा मूर्ति द्वारा बताया गया उनका पीरियड्स और मेनोपॉज का अनुभव महिलाओं के साथ साथ पुरुषों को भी जरूर पढ़ना चाहिए, ताकि वे अपनी मां, बहन, बीवी, दोस्त की तकलीफों को समझ सकें। उनके इस मुश्किल समय को आसान बनाने में उनकी मदद करें।

सुधा के फ्रेंड थे पिता

सुधा मूर्ति ने अपने इंटरव्यू में कहा कि उनके पिता ने हमेशा एक दोस्त की तरह उनसे खुल कर बात की। जब सुधा बड़ी होने लगी यानी उनका प्यूबर्टी फेज शुरू हुआ तब पिता ने उन्हें पीरियड्स के बारे में बताया। पिता ने बेटी से कहा कि अब तुम्हारे शरीर में बदलाव आने शुरू होंगे। ऐसा शरीर में हार्मोन्स में बदलाव होने के कारण होगा। हार्मोन्स में होने वाले बदलाव के कारण अब तुम्हारी स्किन ग्लो करेगी। तुम्हें बार–बार आईना देखने की इच्छा होगी। लेकिन तुम पीरियड्स से घबराना मत, ये हर महिला के जीवन में

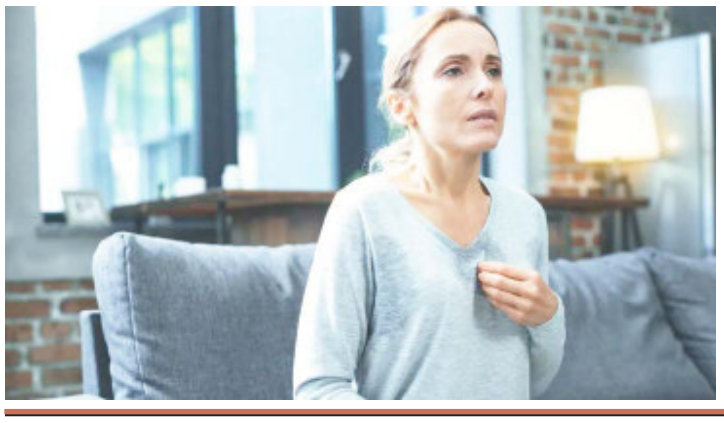

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

आते हैं। पीरियड्स कोई गंदी या अपवित्र चीज नहीं है। ये सिर्फ हार्मोन्स का बदलाव है। सुधा मूर्ति ने बताया कि पिता ने अपनी तीनों बेटियों को खुले माहौल में बड़ा किया और बहुत अच्छे संस्कार दिए।

बेटी को मेनोपॉज के लिए किया तैयार

सुधा मूर्ति के पिता ने उन्हें मेनोपॉज की जानकारी 22–23 की उम्र में ही दे दी थी। पिता ने बेटी को बताया कि इस उम्र में तुम्हारे जो हार्मोन अभी चरम पर हैं, बढ़ती उम्र के साथ ये भी ढलने लग जाएंगे। फिर एक समय ऐसा आएगा जब पीरियड्स बंद हो जाएंगे और मेनोपॉज शुरू हो जाएगा। महिला के जीवन में पीरियड्स हमेशा नहीं रहते। ये लगभग 40 साल के लिए महिला के जीवन में आते हैं और फिर बंद हो जाते हैं।
पिता ने बेटी को समझाया कि जब पीरियड्स बंद हो जाएं तो ये मत समझना कि तुम्हें कोई बीमारी हो गई है। ये सिर्फ हार्मोन के लौट जाने की प्रक्रिया है। उस समय खुद को ज्यादा व्यस्त कर देना ताकि तुम्हारा ध्यान मेनोपॉज की प्रक्रिया पर कम जाए। ऐसा करने से इस प्रोसेस से निकलना आसान हो जाएगा। मेनोपॉज के दौर में जब भी तुम्हें उदासी महसूस हो तो परेशान मत होना। ये मत समझ लेना कि ऐसा हालात की वजह से हो रहा है। समझ जाना कि हार्मोन लौट रहे हैं इसलिए तुम उदास हो रही हो।

मेनोपॉज के समय बिजी हो जाएं

सुधा मूर्ति के गायनेकोलॉजिस्ट पिता ने अपनी तीनों बेटियों की तरह कई महिलाओं को मेनोपॉज के लिए तैयार किया और इससे डील करना सिखाया। कई महिलाएं मेनोपॉज के दौरान होने वाले हार्मोनल बदलाव के बारे में नहीं जानतीं इसलिए उन्हें अपनी तकलीफ के बारे में पता नहीं चल पाता। इस बारे में जागरूकता जरूरी है। पिता से मिली जानकारी के कारण सुधा मूर्ति ये जानती थी कि जब उनकी लाइफ में मेनोपॉज आएगा तो वह खुद को काम में पहले से ज्यादा व्यस्त कर लेंगी। मेनोपॉज के दौरान उन्होंने ऐसा ही किया, चलना और एक्सरसाइज करना शुरू कर दिया। इससे उन्हें बहुत फायदा हुआ। मेनोपॉज के दौरान सभी महिलाओं को ऐसा ही करना चाहिए। बढ़ती उम्र के साथ महिलाओं को शरीर में आने वाले बदलावों को स्वीकार करने के लिए खुद को पहले से ही तैयार कर लेना चाहिए।

शरीर में दिखें ऐसे लक्षण तो न करें इग्नोर, हो सकता है ब्लड कैंसर

आज के जमाने में कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी भी आम हो गई है। हाल ही में सामने आए एक आंकड़े के अनुसार साल 2024 में कैंसर से मरने वाले लोगो की संख्या अब तक 1270800 है। इस बीमारी के लक्षण शुरुआत में पता नहीं चलते हैं, ऐसे में देर होने पर व्यक्ती अपनी जान से भी हाथ धो बैठता है। वहीं कुछ मामलों में सही समय पर कैंसर का पता लगने पर इलाज संभव होता है। हर साल सितंबर के महीने में ब्लड कैंसर जागरूकता माह मनाया जाता है। इस महीने में ब्लड कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कई तरह के आयोजन किए जाते हैं। शरीर के जिन हिस्सों को कैंसर प्रभावित करता वह उसी के नाम से जाना जाता है। ब्लड कैंसर हमारे ब्लड सेल्स के फंक्शन और प्रोडक्शन की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। ब्लड कैंसर तीन प्रकार के होते हैं ल्यूकेमिया, लिम्फोमा और मायलोमा। ल्यूकेमिया में अस्थि मज्जा के अंदर असामान्य ब्लड सेल्स का तेजी से उत्पादन होता है। यह असामान्य रक्त कोशिकाएं शरीर में ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स को प्रभावित करते हैं। इसके परिणामस्वरूप असामान्य श्वेत रक्त कोशिकाओं का अत्यधिक उत्पादन होने लगता है । ल्यूकेमिया के लक्षण अलग–अलग प्रकार के होते हैं जिनमें अक्सर थकान, बार–बार संक्रमण और आसानी से रक्त स्राव या चोट लगना शामिल होते हैं। यह कैंसर लिंफेटिक सिस्टम में शुरू होता है जिसमें लिंफ नोड्स और प्लीहा भी शामिल है।

पुरुषों में बढ़ रहा प्रोस्टेट कैंसर का जोखिम, जाने जानलेवा बीमारी से बचाव के तरीके

प्रोस्टेट कैंसर का सबसे बड़ा करण पुरुषों की बढ़ती उम्र है। उम्र बढ़ने की वजह से प्रोस्टेट में कोशिकाओं का विकास और विभाजन धीमा नहीं होता, जिससे कैंसर कोशिकाएं उत्पन्न हो सकती हैं। डॉ. विमल दास,यूरो–ऑन्कोलॉजी, यूरोलॉजी,डिपार्टमेंट ऑफ जनरल सर्जरी एंड रोबोटिक्स,मैक्स हॉस्पिटल के अनुसार बुजुर्ग पुरुषों में कैंसर के अधिक मामले देखने को मिलते हैं। जैसे–जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर में हार्मोनल परिवर्तन होते हैं, जो कैंसर के विकास को बढ़ावा दे सकते हैं।
अगर परिवार में किसी सदस्य को उपरोक्त कैंसर हुआ है तो भी इसके होने का जोखिम बढ़ जाता है। स्वस्थ आहार प्रोस्टेट कैंसर के खतरे को कम करने में मदद कर सकता है। एक संतुलित आहार में सब्जियां, फल, सबूत अनाज शामिल करें क्योंकि यह एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर से भरपूर होते हैं। विशेष रूप से ब्रोकली, टमाटर और अनार में कैंसर रोधी गुण होते हैं। कम फैट का लाल मास वाले आहार अपनाएं। विशेष कर मछली में ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है। इसका सेवन बढ़ाएं।

डायबिटीज के मरीजों के लिए जरूरी है 8 घंटे की नींद

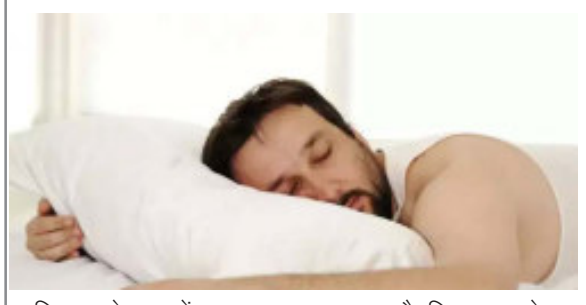

यदि आपके मन में यह सवाल उठ रहा है कि शुगर के रोगी को रोजाना कितने घंटे सोना चाहिए जिससे उनका शुगर लेवल कंट्रोल रहे तो यहां हम आपके सवाल का जवाब लेकर आए हैं। इसके अलावा हम डायबिटीज के मरीजों की डाइट के बारे में भी बात करेंगे। भोजन और एक्सरसाइज के अलावा नींद भी शरीर के लिए उतनी ही जरूरी होती है। नींद पूरी न होने से शरीर सुस्त हो जाता है और तनाव भी बढ़ता है। ऐसे में कार्टिसोल हार्मोन बढ़ने लगता है जो ब्लड शुगर लेवल को बढ़ा देता है। शरीर में जब शुगर का लेवल बढ़ता या घटता है तो नींद से जुड़ी समस्याएं होने लगती है। खासतौर पर टाइप 2 डायबिटीज वाले लोगों को हमेशा पर्याप्त नींद लेनी चाहिए। यदि आपको देर रात तक जागने की आदत है या फिर आप देर रात तक जागकर काम करते हैं तो आपकी यह आदत आप पर भारी पड़ सकती है। शुगर के मरीजों के लिए रोजाना कम से कम 7 से 8 घंटे की नींद जरूरी होती है। यदि आपको रात को नींद नहीं आने की समस्या हो रही है तो आप दिन में ज्यादा सोने से बचें। आप रोजाना रात को अपने सोने का समय तय करें और एक ही समय पर सोने की कोशिश करें। इसके अलावा सोने से पहले अल्कोहल और कैफीन का सेवन करने से भी आपको बचना चाहिए।

गौतम गंभीर के क्लब में मारी शान से एंट्री

ईश्वरन दलीप ट्रॉफी इतिहास में किसी मैच की एक पारी में नॉटआउट पारी खेलने वाले 7वें प्लेयर बने। उन्होंने दलीप ट्रॉफी के इतिहास में एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स के क्लब में एंट्री की। ऐसा दलीप ट्रॉफी के इतिहास में 21 साल बाद हुआ। उनसे पहले यह कारनामा गौतम गंभीर, आकाश चोपड़ा, वीसम जाफर जैसे दिग्गज कर चुके हैं। अभिमन्यु ईश्वरन ने कई मौकों पर अहम पारियां खेल चुके हैं, लेकिन उन्हें अभी भी टीम इंडिया के लिए डेब्यू का इंतजार है।

ईश्वरन ने इंडिया बी बनाम इंडिया ए मैच में जड़ा शतक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। 29 साल के ओपनिंग बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन ने दलीप ट्रॉफी 2024 में इतिहास रच दिया है। अभिमन्यू ने इंडिया बी बनाम इंडिया सी के बीच खेले गए मैच में शानदार शतकीय पारी खेली। यह उनके फर्स्ट क्लास क्रिकेट की 24वें सेंचुरी रही। इंडिया बी की कप्तानी करते हुए अभिमन्यु ने टीम की पारी को संभालने का काम किया। रिंकू सिंह और सरफराज खान बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं कर पाए, लेकिन अंत तक अकेले ईश्वरन क्रीज पर खड़े रहे और उनके बल्ले से नाबाद 157 रन निकले। इंडिया सी द्वारा मिले 526 रन का पीछा करते हुए इंडिया बी टीम 332 रन पर ऑलआउट हो गई। सिर्फ ईश्वरन ही नॉटआउट रहे। इस दौरान उन्होंने एक खास मुकाम हासिल किया। दलीप ट्रॉफी के इतिहास के 21 साल बाद ये कमाल किसी प्लेयर ने किया है। आइए जानते हैं इस बारे में। दरअसल, इंडिया बी बनाम इंडिया सी के बीच खेले गए दलीप ट्रॉफी 2024 का दूसरा राउंड मैच ड्रॉ रहा। पहली पारी में इंडिया सी की टीम 525 रन बनाकर ऑलआउट हुई। ईशान किशन के बल्ले से 111 रन की पारी निकली, जबकि कप्तान ऋतुराज ने 58 रन बनाए। मानव ने 82 रन की पारी खेली।

हमारे प्लेयर्स खेलते कम, बोलते ज्यादा है

यूनिस खान ने बाबर आजम की जमकर की आलोचना

क्रिकेट

■बाबर आजम की हालिया फॉर्म खराब चल रही

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान यूनिस खान ने स्टार बैटर बाबर आजम की जमकर आलोचना की। हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज में 0–2 से हार झेली। इस टेस्ट सीरीज में पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन खराब रहा। अब पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान यूनिस खान ने टीम क प्लेयर्स और बाबर आजम को लेकर एक बयान दिया। यूनिस ने बाबर को विराट कोहली से सीख लेने की सलाह दी।

बाबर आजम की मौजूदा फॉर्म खराब चल रही है। उन्होंने पिछले 16 टेस्ट पारियों में अभी तक अर्धशतक नहीं जड़ा है। इस पर यूनिस ने बाबर आजम पर भड़ास

निकालते हुए कहा कि अगर बाबर और बाकी टॉप के खिलाड़ी मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो नतीजे सभी के लिए स्पष्ट होंगे।

दरअसल, यूनिस खान ने कराची प्रीमियर लीग की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बाबर आजम की आलोचना की। यूनिस ने कहा कि बाबर को जब टीम की कप्तानी सौंपी गई थी तो उस समय वह हमारे सबसे बेहतरीन बल्लेबाज थे। उनको कप्तान बनाए जाने के फैसले के समय मैं भी वहां मौजूद था लेकिन अब स्थिति पूरी तरह से बदल गई है, ऐसे में उन्हें खुद इस बात को लेकर सोचना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि बाबर ने काफी कम उम्र में बहुत कुछ हासिल कर लिया, लेकिन अब उन्हें ये समझना जरूरी है कि उन्हें भविष्य में क्या हासिल करना है। आपको हमेशा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि देश के लिए शायद फिर से खेलने का मौका ना मिले।

यूनिस ने कहा कि विराट कोहली को देखिए, उन्होंने खुद कप्तानी को छोड़ दिया और अब उनकी बल्लेबाजी को आप देखिए जो बिल्कुल ही एक अलग स्तर पर देखने को मिलती है और वह लगातार नए रिकॉर्ड बनाते जा रहे हैं। इससे हमें पता चलता है कि एक खिलाड़ी के लिए पहली प्राथमिकता हमेशा देश के लिए खेलना होना चाहिए ना कि कप्तानी करने पर।

आईपीएल 2025 के लिए केएल राहुल की होगी आरसीबी में वापसी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 ऑक्शन को लेकर अभी से तैयारियां जारी है। किस प्लेयर को रिटेन किया जा सकता है और किसे फ्रेंचाइजी रिलीज कर सकती है, इसको लेकर दिग्गजों के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है।

आईपीएल 2025 में केएल राहुल को लेकर भी चर्चा काफी चरम पर है। केएल लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान रहेंगे या अगले सीजन में वह आरसीबी में वापसी करेंगे, इसकी फिलहाल कोई जानकारी नहीं है, लेकिन ऑक्शन से पहले उनके आरसीबी के साथ जुड़ने को लेकर खबरें उड़ रही है। इसी बीच केएल राहुल ने उनकी आरसीबी से जुड़ने की चर्चाओं पर चुप्पी तोड़ी। दरअसल, लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल ने आरसीबी में आईपीएल 2025 के लिए

■आईपीएल 2024 में एलएसजी का प्रदर्शन रहा निराशाजनक

वापसी वाली खबरों को लेकर तगड़ा हिंट दिया। उनका एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो में एक फैन ने कहा कि मैं आरसीबी का बहुत बड़ा फैन हूं। मैं लंबे समय से आरसीबी को फॉलो कर रहा हूं। आप पहले भी आरसीबी के लिए खेल चुके हैं। अब काफी अफवाहें उड़ रही हैं, लेकिन मैं कुछ नहीं कहूंगा। हां, मैं बस यही दुआ करूंगा कि आप आरसीबी में वापस आ जाएं और धमाल मचाएं। फैन ने जैसे ही अपनी बात खत्म की तो वैसे ही केएल राहुल ने जवाब देते हुए कहा कि उम्मीद करते हैं। राहुल के इस जवाब से आरसीबी के फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। हर कोई सोशल मीडिया पर केएल राहुल के आरसीबी में जाने के लिए उनसे रिक्वेस्ट कर रहा है।

बता दें कि केएल राहुल ने आईपीएल में तीन सीजन लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी की है और दो बार टीम को प्लेऑफ में पहुंचाया है। लखनऊ सुपर जायंट्स का आईपीएल 2024 में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था।

लखनऊ को हैदराबाद से मिली 10 विकेट की करारी शिकस्त के बाद एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका और केएल राहुल के एनिमेटिड चौट से अटकले तेज हो गई कि दोनों के रिश्तों में खटास आ गई है। हालांकि, राहुल ने पिछले महीने गोयनका से मुलाकात की थी, जिससे ये उम्मीद कि जा रही कि केएल लखनऊ के साथ बने रह सकते हैं।

फाइनल से पहले भयंकर दर्द में थे नीरज चोपड़ा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दो बार के ओलंपिक मेडल विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने खुलासा किया कि उन्होंने ट्रेनिंग सत्र के दौरान हाथ में लगी चोट के बावजूद डायमंड लीग के फाइनल में हिस्सा लिया। चोपड़ा शनिवार को डायमंड लीग का खिताब जीतने के बेहद करीब पहुंच गए थे, लेकिन एक सेंटीमीटर से चूक गए और लगातार दूसरे साल 87.86 मीटर के थ्रो से दूसरे स्थान पर रहे। नीरज चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कहा, सोमवार को अभ्यास के दौरान मैं चोटिल हो गया था और 'एक्स–रे' से पता चला कि मेरे बाएं हाथ की (चौथी मेटाकार्पल) हड्डी में फ्रैक्चर है। यह मेरे लिए एक और दर्दनाक चुनौती थी। लेकिन अपनी टीम की मदद से मैं ब्रसेल्स में भाग लेने में सफल रहा। उन्होंने कहा, यह साल का अंतिम टूर्नामेंट था।

न्यूज डायरी

545 दिन के बाद धाकड़ खिलाड़ी को मिला मौका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले जाने वाले दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय स्क्वॉड का एलान कर दिया है। दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 18 सितंबर से हो रहा है। गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में यह सीरीज खेली जाएगी। धनंजय डी सिल्वा की कप्तानी में ओशदा फर्नांडो की काफी समय बाद वापसी हुई है। वहीं, दिमुथ करुणारत्ने, एंजेलो मैथ्यूज और दिनेश चांदीमेल जैसे अनुभवी प्लेयर्स को बरकरार रखा गया है।
दरअसल, न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंकाई टेस्ट टीम में निशान मधुशंका को जगह नहीं मिली, जबकि सदीरा समरविक्रमा और ओशदा फर्नांडो की वापसी हुई है। फर्नान्डो ने 2019 में टेस्ट डेब्यू किया था और 2023 से अब तक उन्होंने कोई इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला है। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ 122 और 80 रन की पारी खेली है। इस मैच में उनकी पारी की मदद से श्रीलंका ए टीम को जीत मिली। समरविक्रमा हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर गई श्रीलंकाई टीम का हिस्सा नहीं थे, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए उन्हें टीम में शामिल किया गया। उनसे उम्मीद है कि अगर उन्हें प्लेइंग–11 में शामिल किया जाता है तो वह टीम के मिड ऑर्डर को मजबूती देने का काम कर सकते हैं।

रोहित–विराट नहीं, शुभमन गिल को ट्रेविस हेड ने बताया सुपरस्टार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम को इस महीने बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है, जिसका आगाज 19 सितंबर से होना है। इस टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी रोहित शर्मा के पास है, जबकि उप–कप्तान को लेकर कोई एलान नहीं हुआ। इस सीरीज के बाद टीम इंडिया बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी, जिसमें उप–कप्तान शुभमन गिल को बनाया गया है।
शुभमन गिल को लेकर बीसीसीआई के सूत्र ने जानकारी दी कि उन्हें टी20 सीरीज के लिए आराम मिल सकता है। दरअसल, इस साल के आखिर में टीम इंडिया ने बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी भी खेलनी है, जिससे पहले दिग्गजों के बयान आने शुरू हो चुके है। हाल ही में भारत–ऑस्ट्रेलिया टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने एक भारतीय स्टार की तारीफ में जमकर कसीदे पढ़े हैं। ट्रेविस हेड ने रोहित शर्मा या विराट कोहली नहीं, बल्कि शुभमन गिल को सुपरस्टार का टैग दिया। स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत करते हुए ट्रेविस ने बताया कि उन्होंने कुछ अद्भुत पारियां खेली हैं, स्पिन के खिलाफ उनका खेल शानदार है। वह एक क्लास बल्लेबाज है। ट्रेविस हेड ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि आप यह महसूस कर रहे हैं कि आप जिन टीमों के साथ अक्सर खेलते हैं, वे आपके पसंदीदा नहीं होते हैं, लेकिन फिर भी आप उन्हें खेलना पसंद करते हैं। आपकी हालिया अच्छे फॉर्म और माहौल ने आपको खेल के प्रति उत्साहित और प्रेरित किया है।

भारतीय मेंस टीम ने अजरबैजान को हराया तो कजाखस्तान से जीती महिला टीम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बुडापेस्ट। शानदार फॉर्म में चल रहे विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर डी गुकेश और अर्जुन एरिगेसी के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय पुरूष टीम ने 45वें शतरंज ओलंपियाड के पांचवें दौर में अजरबैजान को 3–1 से हराया। गुकेश ने अइदिन सुलेमानी को और अर्जुन ने रऊफ मामेदोव को हराया। प्रज्ञानानंदा ने ड्रॉ खेला जबकि विदित गुजराती और शखरियार मामेदियारोव की बाजी भी ड्रॉ रही। लगातार पांचवीं जीत के बाद भारतीय पुरूष टीम दस अंक लेकर वियतनाम के साथ शीर्ष पर है। वियतनाम ने पोलैंड को 2.5 . 1.5 से मात दी। चीन ने स्पेन को और हंगरी ने यूक्रेन को 2–5 . 1–5 से हराया। नॉर्वे और ईरान नौ अंक लेकर पांचवें स्थान पर हैं। टूर्नामेंट के छह दौर अभी खेले जाने हैं। नॉर्वे ने तुर्की को 3–1 से जबकि ईरान ने कनाडा को 3–5 . 0–5 से हराया। महिला वर्ग में ग्रैंडमास्टर डी हरिका को बीबीसारा असाउबायेवा के खिलाफ अप्रत्याशित पराजय झेलनी पड़ी। वंतिका अग्रवाल ने अलुआ नूरमैन को हराया जबकि दिव्या देशमुख ने जेनिया बालाबायेवा से ड्रॉ खेला। आर वैशाली ने एम कमालिदेनोवा को मात दी।। महिला टीम आर्मेनिया और मंगोलिया के साथ दस अंक लेकर शीर्ष पर है।

संक्षिप्त समाचार

मोदी, शाह, केंद्रीय मंत्रियों और प्रदेशों के सीएम ने धामी को जन्मदिन पर दी बधाइयां

संवाददाता देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ ही कई केंद्रीय मंत्रियों, विभिन्न प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के जन्मदिन पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री आवास में बधाई और शुभकामनाएं देने वालों को हजूम उमड़ा रहा। प्रधानमंत्री मोदी के साथ ही भाजपा और एनडीए के केंद्र से लेकर विभिन्न प्रदेशों के बड़े नेताओं ने धामी के 49 वें जन्मदिवस पर शुभकामना दी। सोशल मीडिया प्लेटफार्म भी धामी के जन्मदिन के संदेशों से पटा रहा।

सीएम के जन्मदिन पर बद्रीनाथ धाम में डिमरी केंद्रीय पंचायत ने किया विशेष पूजन

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के जन्मदिवस के अवसर पर बद्रीनाथ धाम में डिमरी केंद्रीय पंचायत की ओर से विशेष पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर बद्रीनाथ धाम के पुजारी समुदाय श्री बद्रीनाथ डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत ने मुख्यमंत्री को जन्म–दिवस की बधाई व शुभकामनाएं देते हुए भगवान बद्री विशाल से मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश के समग्र कल्याण की कामना की। केंद्रीय पंचायत के अध्यक्ष आशुतोष डिमरी ने भगवान श्री बद्री विशाल एवं श्री महालक्ष्मी से मुख्यमंत्री के दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना की।

लोगों को स्वच्छता के लिए जागरूक किया

संवाददाता ऋषिकेश। नगर पालिका मुनिकीरेती ने स्वच्छता ही सेवा के तहत स्वच्छता अभियान चलाया। जिसमें साफ–सफाई कर तीन कुंतल कूड़ा एकत्रित कर अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र भेजा गया। सोमवार को नगर पालिका मुनिकीरेती टीम ने रामझूला दर्शन महाविद्यालय के समीप स्वच्छता अभियान चलाया। सुपरवाइजर जितेंद्र सिंह सजवाण ने कहा कि प्रशासक देवेंद्र सिंह नेगी और अधिशासी अधिकारी तनवीर सिंह मारवाह के निर्देश पर दो अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप ने भारत में रीटेल. नेक्स्ट को पेश किया

संवाददाता देहरादून। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने भारत में रीटेल.नेक्स्ट डीलरशिप के शुभारंभ की घोषणा की है। रीटेल.नेक्स्ट में नए सिरे से सोची गई सेवाएं और सुविधाएं होंगी जोकि आधुनिक जरूरतों को पूरा करेंगी और यहां शानदार अनुभव मिलेगा। रीटेल. नेक्स्ट को 36 महीनों में 33 शहरों में 56 फैसिलिटीज में लाया जाएगा। रीटेल.नेक्स्ट की पेशकश के साथ, हम सिर्फ अनुभव को बेहतर ही नहीं बना रहे हैं बल्कि उसे बदल रहे हैं।

आप अपने कार्य क्षेत्र के लीडर हैं, प्रशासन रखेगा आपका ध्यान: डीएम

कार्यक्रम

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता एवं जिलाधिकारी सविन बंसल की पहल पर प्रथमबार जनपद देहरादून में आयोजित किया गया आशा एवं फील्ड कार्मिकों के साथ सीधा संवाद। सोमवार को जनपद देहरादून अवस्थित आईआरडीटी आडोटोरियम सर्वे चौक में स्वास्थ्य विभाग से आशा कार्यकर्तियों एवं नगर निगम के फील्ड कार्मिकों के साथ जिलाधिकारी ने संवाद किया तथा उनकी समस्याओं को जाना। डेंगू, मलेरिया की सघन मॉनिटिरिंग एवं ग्रांउड जीरो पर कार्य कर रहे कार्मिकों के समक्ष आने वाली चुनौतियों को जानने तथा उनके निस्तारण के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिलाधिकारी ने कार्मिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि फील्ड एक महत्वपूर्ण अंग होते हैं जो ग्रांउड जीरो पर चल रही स्थि से

■ डेंगू, मलेरिया वारिसर्य से जिलाधिकारी ने किया सीधा संवाद, आशा कार्यकर्ती एवं पर्यावरण मित्रों की जानी समस्याए

■ दायित्वों को जिम्मेदारी एवं विश्वास के साथ निर्वहन करते हुए, गर्व से कार्य करने का दिया मंत्र

उच्च स्तर को अवगत कराते हैं, इसलिए उनकी जिम्मेदारी महत्वपूर्ण हो जाती हैं, जिलाधिकारी फील्ड कार्मिकों को अपने दायित्वों को जिम्मेदारी एवं विश्वास के साथ निर्वहन करते गर्व से कार्य करने के निर्देश दिए साथ ही उच्च स्तरीय अधिकारियों एवं आफिस कार्मिकों को ग्राउंड जीरो पर कार्य करने वाले कार्मिकों की समस्या के निस्तारण के निर्देश भी दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि आशा कार्मिकों के भुगतान में किसी प्रकार की देरी न हो यह सुनिश्चित कर लिया जाए इसके लिए सुविधा एवं कार्मिक बढाने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को चिकित्सालयों में खाली पड़े कक्षों में आशाघर एवं डोरमेट्री बनाने की कार्ययोजना पर कार्य करने के निर्देश दिए। इस पहल पर आशाओं ने ताली बजाकर जिलाधिकारी का अविवादन किया।

ज्ञातब्य है कि श्री बसंल द्वारा नैनीताल जनपद के जिलाधिकारी रहते चिकित्सालयों में आशाघर डोरमेट्री बनाने की पहल की गई थी, जिसे राज्य में काफी सराया गया। चिकित्सालयों में आशाघर डोरमेट्री बनने से जहां दूरदराज से गर्भधात्री महिलाओं, जच्चा, बच्चा के साथ आने वाली आशाओं को रहने, पेयजल आदि की सुगम सुविधा रहेगी, वहीं आशाओं को अनावश्यक परेशानी से जूझना नही पड़ेगा।

इस अवसर पर मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम गौरव कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्युष सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय जैन, उप जिलाधिकारी हरिगिरी, उप नगर आयुक्त नगर निगम गोपालराम बिनवाल, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सी.एस रावत, डॉ0 निधि, डॉ जोशी सहित आशा कार्यकर्ती, नगर निगम के सुपरवाईजर, फील्ड कार्मिका उपस्थित रहे।

फील्ड कर्मचारी हमेशा हीरो की भूमिका में होते है

जिलाधिकारी ने कहा कि फील्ड कर्मचारी हमेशा हीरो की भूमिका में होते हैं, विशेषकर जहां स्वास्थ्य की बात आती हैं वंहा उनकी जिम्मेदारी और भी अधिक बढ जाती है। कहा कि स्वास्थ्य किसी भी व्यक्ति के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय होता है, इसके लिए इन कार्यों में शासन प्रशासन के साथ ही फील्ड कार्मिकों की जिम्मेदारी अधिक बढ जाती है, कि वे क्षेत्र की वस्तुस्थित से उच्चस्तर पर पर अवगत कराते रहें। आशा कार्यकर्तियो एवं नगर निगम के पर्यावरण मित्र फील्ड कार्मिकों को क्षेत्र में अलग पहचान बनाए रखने के लिए ड्रेस में रहने पर बल दिया।

पूरे देश–प्रदेश की शुभकामनाएं आप बच्चों के साथ हैं: सीएम

शुभकामनाएं

■अपने जन्मदिवस पर दृष्टि बाधितार्थ बच्चों के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार को अपने जन्म दिवस के अवसर पर राजपुर रोड स्थित राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान पहुंचे और दृष्टिबाधितार्थ बच्चों संग केक काटकर जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को केक खिलाया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर दृष्टिबाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक आदर्श विद्यालय के बच्चों ने उपहार स्वरूप अपने द्वारा बनाया गया

मॉडल मुख्यमंत्री को भेंट किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे हर बार इस दिन पर यहां बच्चों के बीच आने का इंतजार रहता है और यहां आकर बहुत अच्छा लगता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं भगवान से आप सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। उन्होंने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में आप सभी लोग जिस किसी भी क्षेत्र में जाएंगे, वहां निश्चित ही सफलता प्राप्त पाएंगे। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई कार्य नहीं है जो आप लोग नहीं कर सकते।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री दिव्यांग बच्चों की सर्वांगीण उन्नति के लिए प्रयासरत हैं। दिव्यांग शब्द भी मोदी द्वारा ही दिया गया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश–प्रदेश की शुभकामनाएं आप बच्चों के साथ हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार हमें प्रदेश में कई स्थानों पर आपदा की चुनौतियों का सामना करना पड़ा रहा है। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि वे आज के दिन आपदा से प्रभावित लोगों के बीच जाएं और उनकी जो सेवा, मदद हो सकती है वे करें। सीएम ने कहा कि पीएम ने कहा है 21 वीं सदी का यह तीसरा दशक उत्तराखंड का होगा और हम पीएम के शब्दों को पूरा करने के लिए पूरे जी–जान से जुटे हैं। इस अवसर पर सीएम ने संस्थान के फुटबॉल टूर्नामेंट का भी बॉल पर किक मारकर शुभारंभ किया।

उत्तराखंड के सरकारी डॉक्टरों ने टाली हड़ताल

संवाददाता देहरादून। राज्य के सरकारी डॉक्टरों ने 18 सितंबर से प्रस्तावित हड़ताल कुछ दिन के लिए टाल दी है। प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संघ की सोमवार को हुई वर्चुअल बैठक में यह निर्णय लिया गया। विदित है कि राज्य के सरकारी डॉक्टर लंबे समय से अपनी मांगों पर कार्रवाई न होने से नाराज चल रहे हैं। डॉक्टरों ने पूर्व में भी हड़ताल की चेतावनी दी थी लेकिन स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत की ओर से सकारात्मक कार्रवाई के आश्वासन के बाद हड़ताल को 15 दिनों के लिए टाल दिया गया था। 15 दिन की अवधि 18 सितंबर को समाप्त हो रही है। लेकिन अब डॉक्टरों ने आंदोलन कुछ और दिन टालकर 23 सितंबर से शुरू करने का निर्णय लिया है। प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संघ के प्रदेश महासचिव डॉ रमेश कुंवर ने बताया कि सोमवार को संघ की वर्चुअल बैठक में आंदोलन को कुछ दिन टालने का निर्णय लिया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।